

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

पशुपालन अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 25 अगस्त, 2009:

विषय:- वित्तीय वर्ष 2009-10 में डेरी विकास विभाग को जिला योजना में ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त के शासनादेश संख्या-515/XXVII(1)/2009, दिनांक 28-07-2009 एवं निदेशक, डेयरी के पत्र संख्या-172-74/लेखा-प्रस्ताव आयोजनागत-सामान्य/2009-10, दिनांक 09-04-2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 में डेयरी विकास विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण हेतु (जिला योजना) में रू० 305-97 लाख (रू० तीन करोड़ पांच लाख सतानबे हजार मात्र) की धनराशि निम्न जनपदवार एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि रू० लाख में)

क्र०सं०	जनपद का नाम	धनराशि
1	नैनीताल	36.22
2	ऊधमसिंहनगर	31.77
3	अल्मोड़ा	30.55
4	पिथौरागढ़	21.17
5	बागेश्वर	1.52
6	चम्पावत	42.17
7	देहरादून	20.92
8	पौड़ी (श्रीनगर गढ़वाल)	18.43
9	टिहरी	16.15
10	चमोली	57.67
11	उत्तरकाशी	14.86
12	रूद्रप्रयाग	9.54
13	हरिद्वार	5.00
	योग-	305.97

1. उक्त जनपदवार निर्गत स्वीकृति को तत्काल समस्त सहायक निदेशक, डेरी के नियंत्रण में व्यय हेतु प्रादिष्ट करना सुनिश्चित करें तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी को स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता सम्बन्धी निर्देशों का पालन करते हुए स्वीकृत परिव्यय के अनुरूप व्यय किया जायेगा।

2. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कौषागर द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 05 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
3. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, क्रय सम्बन्धि शासनादेशों का पालन कर किया जाय। धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
4. रू0 50.00 लाख से अधिक की स्वीकृति पर सम्बन्धित मण्डलायुक्त का अनुमोदन प्राप्त कर जिलाधिकारी द्वारा स्वीकृति दी जायेगी।

2-उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2404-डेरी विकास-00-191-सहकारी समितियां तथा अन्य निकायों को सहायता-91-ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारिताओं का सुदृढीकरण (जिला योजना)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाले जायेगा।

3-यह आदेश प्रमुख सचिव (वित्त) के आदेश संख्या-515/XXVII(1)/, दिनांक 28-07-2009 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमरेन्द्र सिन्हा)
प्रमुख सचिव।

संख्या-443 (1)/xv-2/1(09)06-तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त कौषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. स्टाफ ऑफिसर-अपर मुख्य सचिव एवं आयुक्त को अवगत कराने हेतु।
5. निजी सचिव-मंत्री, डेरी विभाग, को मा0 मंत्री जी को अवगत कराने हेतु।
6. निदेशक, डेरी विकास विभाग, मंगल पड़ाव, हल्द्वानी (नैनीताल)।
7. समस्त सहायक निदेशक, डेरी विकास विभाग, उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-4/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक, एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी0बी0ओली)

संयुक्त सचिव।